

Prof. Pankaj Kr. Gupta
 Assistant Professor (Economics)
 R.B.G.B. College, Maharajganj

TDC-I Economics (Hons.)

Paper-I Micro Economics

Module IV - Market Structure & Pricing.

Topic : Oligopoly : Concept and classification

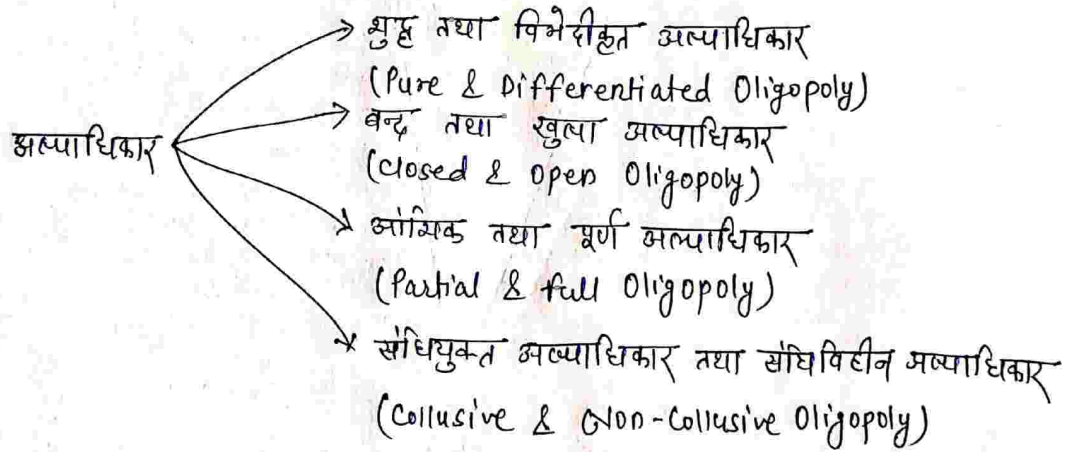
अवधारणा (Concept)

Oligopoly ग्रीक भाषा के 'Oligoi' जिसका अर्थ थोड़े (A few) तथा 'Polien' जिसका अर्थ बैचना (to sell) है, दो शब्दों से मिलकर बनाया गया है। इस प्रकार अल्पाधिकार का अर्थ है, थोड़े से विक्रेताओं में प्रतियोगिता। अल्पाधिकार उस समय उत्पन्न होता है जबकि थोड़े से विक्रेता होते हैं। थोड़े से विक्रेताओं के बीच प्रतियोगिता तब होगी जब उद्योग के समस्त वस्तु का उत्पादन करने वाली अथवा उनके समीप स्थानापन्न वस्तुओं का उत्पादन करने वाली फर्मों की अल्प संख्या होती है। अतः अल्पाधिकारी बाजार की वह स्थिति है जिसमें अधिक विक्रेताओं का अस्तित्व पाया जाता है परंतु उनकी संख्या उतनी बड़ी नहीं होती जितनी पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत पायी जाती है।

चूँकि अल्पाधिकार में फर्मों की संख्या बहुत सीमित होती है इसलिए प्रत्येक फर्म में किसी निर्णय का उसके प्रतिस्पर्धियों पर भी प्रभाव पड़ता ही है, साथ ही इसके प्रतिस्पर्धियों द्वारा लिए गए निर्णयों का भी इस फर्म पर इरगामी प्रभाव पड़ता है। अतः इस बाजार में विद्यमान सभी विक्रेता इस परस्पर निर्भरता का अनुभव करते हैं एवं इसके अनुरूप ही कीमत एवं उत्पादन सम्बन्धी निर्णय लेते हैं। यही कारण है कि अल्पाधिकार स्थिति को 'परस्पर निर्भरता' की संज्ञा दी गई है।

अल्पाधिकार के उदाहरण

उत्पाद	उत्पादक (अल्पाधिकारी)
(1) बिजली के परखे	Orient, Usha, Crompton
(2) ऊनी वस्त्र	लाल इमली, धारीवाल, रेमण्ड
(3) मासगाड़ी के डिब्बे	जैसान्स, त्रेयवेटर, टेक्समैको

⇒ अल्पाधिकार का वर्गीकरण (Classification of Oligopoly)(1) शुद्ध तथा विभेदीकृत अल्पाधिकार (Pure & Differentiated Oligopoly)

अल्पाधिकार में वस्तु एक-सी हो सकती है अथवा उसमें अन्तर पाया जा सकता है। जब वस्तु एक-सी होती है जैसे - स्पात, सीमेंट, सोना, ताँबा तो उसे शुद्ध अल्पाधिकार कहते हैं।

इसके विपरीत, जब वस्तु एक-सी नहीं होती अर्थात् वस्तु-विभेद पाया जाता है जैसे रेफ्रिजरेटर, टेलीविजन सेट, स्कूटर, ट्रैक्टर आदि तो उसे विभेदीकृत अल्पाधिकार कहते हैं।

(2) बन्द तथा खुला अल्पाधिकार (open & closed oligopoly)

ऐसी अवस्था जहाँ उद्योग पर कुछ फर्मों का नियंत्रण होता है और नये प्रतिस्पर्धियों का प्रवेश प्रायः वर्जित होता है। इसके विपरीत, खुला अल्पाधिकार वह अवस्था है जबकि उद्योग का द्वार नये फर्मों के प्रवेश के लिए खुला होता है।

(3) आंशिक तथा पूर्ण अधिकार (partial and full oligopoly)

आंशिक अल्पाधिकार के अन्तर्गत उद्योगों पर एक अथवा कुछ की फर्मों का अधिकार होता है और छोटी फर्मों उसे नेता मानकर कीमत आदि क्षेत्र में उसी का अनुसरण करती हैं। जबकि पूर्ण अल्पाधिकार में इस प्रकार की परिस्थिति नहीं होती है। अर्थात् प्रत्येक फर्म स्वतंत्र रूप से कीमत व उत्पादन सम्बन्धी निर्णय लेती है और वह किसी अन्य फर्म पर आश्रित नहीं रहती।

(4) संधियुक्त अल्पाधिकार तथा संधिविहीन अल्पाधिकार (Collusive and Non-Collusive oligopoly)

जब उद्योगों का फर्मों के बीच कीमत, उत्पादन तथा बाजार विभाजन सम्बन्धी समझौता हो जाता है और फर्म उसी के अनुसार ही कार्य करती हैं तो उसे संधियुक्त अल्पाधिकार कहते हैं। इसके विपरीत, यदि फर्मों के बीच इस प्रकार के समझौते का अभाव रहता है तो उसे संधिविहीन अल्पाधिकार कहते हैं।

End
Raj